



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 240]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 15, 1987/वैशाख 25, 1909

No 240]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 15, 1987/VAISAKHA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 86/85-88

नई दिल्ली, 15 मई, 1987

का. आ. 489 (अ) :- आयात-निर्यात नियंत्रण
(अधिनियम), 1947 (1947 का 18) द्वारा प्रदत्त
अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा
भारत सरकार की अधिसूचना के अधीन 1 अप्रैल, 1987
को वाणिज्य मंत्रालय के का. आ. 296 (अ) दिनांक 1
अप्रैल, 1987 में प्रकाशित खुले सामान्य लाइसेंस सं. 16/87
में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामण :-

उक्त अधिसूचना में -

(क) प्रथम पैराग्राफ में कोष्ठक और संख्या "आर
(म) किसी भी तरह के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर" के स्थान

पर" (म) किसी भी तरह के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और
(ज) पोलियूरेथेन चमड़ा" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा,

(ख) शर्त सं. 9 के पश्चात् निम्नलिखित शर्त जोड़ी
जाएगी नामण:-

"9क. पोलियूरेथेन चमड़े के मामले में, निर्यात के
उद्देश्य के लिए फुटबाल के विनिर्माण में लगे
हुए वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) को और
निर्यात के उद्देश्य के लिए फुटबाल के विनि-
र्माण के लिए वास्तविक उपभोक्ताओं में वितरण
के लिए राज्य व्यापार निगम को आयात की
अनुमति दी जाएगी। यह निम्नलिखित शर्त के
अधीन भी होगा :-

(1) निर्यात के लिए विनिर्माण में लगे हुए वे
वास्तविक उपभोक्ता, जो या तो सीधे
आयात करना चाहते हैं या राज्य व्यापार
निगम से मर्द प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें

अपनी संविदाएं खेलकूद सामान निर्यात संबंधित परिषद (एस जी ई पी सी) के पास पंजीकृत करनी अपेक्षित होगी। ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में एस जी ई पी सी द्वारा संबद्ध संविदाओं पर मोहर लगाने के बाद ही आयात किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए एस जी ई पी सी को संविदा की दो प्रतियां दी जाएंगी और वे प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मोहर लगाने हुए आयातक को एक प्रति माफ की निकासी के समय सीमा शुल्क पर प्रस्तुत करने के लिए वापिस कर देंगे।

- (2) आयातक को आयात के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के सम्मुख एस जी ई पी सी इस आशय का एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि आयात निर्यात के उद्देश्य के लिए फुटबाल के विनिर्माण के लिए है।
- (3) बाद की संविदाओं के पंजीकरण के समय पात्र आयातकों को फुटबाल के विनिर्माण और निर्यात के प्रबंधन के उद्देश्य के लिए पहले से पंजीकृत संविदाओं के मद्दे आयातित सामग्री के उपयोग और किए गए आयातों की प्रगति दर्शाते हुए एक विवरणी भी भेजी जानी चाहिए।
- (4) राज्य व्यापार निगम को एस जी ई पी सी के पास पंजीकरण करवाना आवश्यक नहीं होगा।

टिप्पणी :—मूल आदेश का. आ. 296 (आ) दिनांक 1-4-1987 के तहत प्रकाशित किया गया था।

हस्ताक्षर

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
[फा. सं. आईपीसी/4/10(I)/90/81-82]
मंजुला सुब्राह्मणियम, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

ORDER NO. 86/85-88

New Delhi, the 15th May, 1987

S.O. 489 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendment in Open General Licence No. 16/87 dated the 1st April, 1987 published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 296 (E) dated the 1st April, 1987, namely :—

In the said notification, —

- (a) in the first paragraph for the words, brackets and number “and (i) Computer software in any media,” the words, brackets, number and words “(i) Computer software in any media, and (j) Polyurethane leather,” shall be substituted;

- (b) after condition number 9, the following condition shall be inserted, namely :—

“9A.—In the case of Polyurethane leather, import shall be allowed to actual users (industrial) engaged in the manufacture of footballs for the purpose of exports, and STC for distribution to actual users for manufacture of footballs for export purposes. It shall also be subject to the following conditions :—

- (i) Actual Users engaged in the manufacture of footballs for exports who wish to import directly or procure the item from State Trading Corporation (STC) shall be required to register their contracts with the Sports Goods Export Promotion Council (SGEPC). Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by SGEPC as evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the SGEPC, and they will return one copy to the importer duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods.
- (ii) Importer shall also produce to the customs authorities at the time of importation, a certificate from the SGEPC to effect that the importer is a manufacturer of footballs for the purpose of exports.
- (iii) At the time of registration of a subsequent contract, the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the material imported against contracts registered earlier for the purpose of monitoring of manufacture and export of footballs.
- (iv) It shall not be necessary for STC to register the import contracts with SGEPC.”

NOTE : The Principal Order was published vide number S.O. 296(E), dated the 1st April, 1987.

Sd/-

(R. L. MISRA)

Chief Controller of Imports & Exports

[File No. IPC/4/10(I)/90/81-82]

MANJULA SUBRAMANIAM, Joint Chief Controller of Imports & Exports

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064

AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1987